PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Standard, Delhi
Tuesday 3rd February 2015, Page: 3
Width: 16.64 cms, Height: 21.63 cms, a4, Ref: pmin.2015-02-03.22.26

Tata International to set up outlets for footwear brands

To sell its Aerosoles brand through 120 outlets, including multi-brand retail outlets such as Metro Shoes, Inc.5, Westside and Lifestyle, across the country

T E NARASIMHAN
Chennai, 2 February

Tata International, the global trading and distribution company of the Tata group, is planning to set up exclusive branded outlets for four new footwear brands. The company will launch these for the domestic market by September this year.

N Mohan, Tata International's business head (footwear-global business), told *Business Standard* that in the past eight months, the company had tested one of the four brands, Aerosoles (a women's footwear brand) in western parts of India, adding an average 100 pairs were sold.

The company plans to sell the brand through 120 outlets, including multi-brand retail outlets such as Metro Shoes, Regal Shoes, Rocia, Inc.5, Westside and Lifestyle, across the country. It also plans to set up four-five Aerosoles experience stores across the country through the next two years.

Aerosoles, for which Tata International owns the licence in Europe, is also available across the US, China, Hong Kong, the Philippines, Thailand and Israel, among other countries.

The brand will serve as a launch pad for the company in the domestic footwear market, estimated at about ₹25,000 crore. Three other brands, Aristos, S C T and Arin, as well as a children's footwear collection, would also be launched, Mohan said. The company would primarily target the ₹1,800-2,500 a pair segment, though some products would cost as high as ₹5,000, he added.

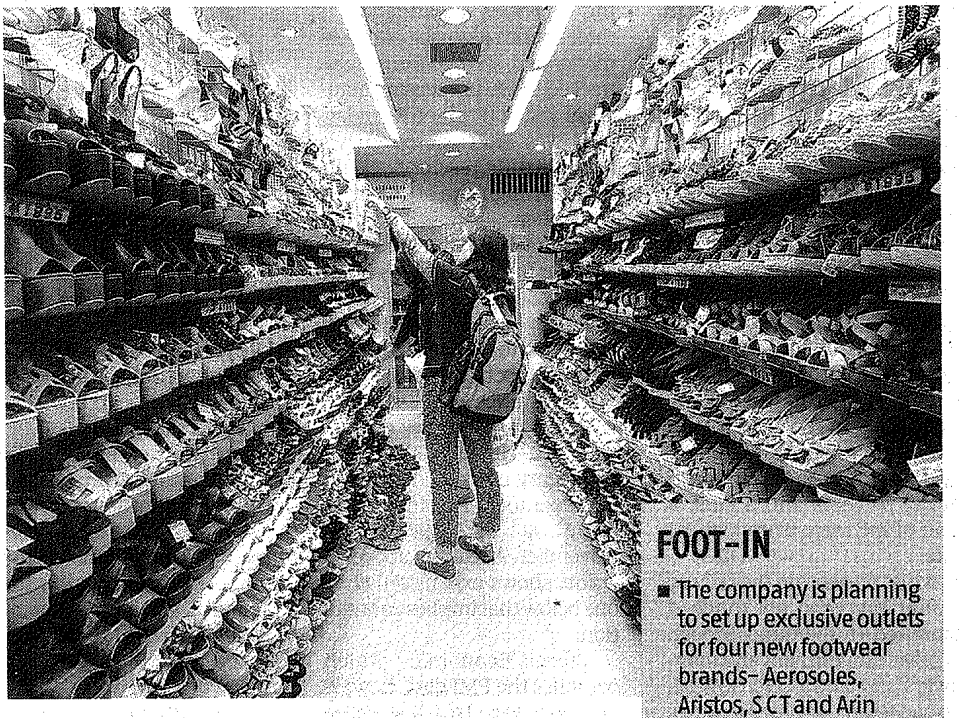

FOOT-IN

- The company is planning to set up exclusive outlets for four new footwear brands– Aerosoles, Aristos, S C T and Arin
- These will be launched for the domestic market by September this year
- The primary target would be the ₹1,800–2,500 a pair segment, though some products would cost as high as ₹5,000
- The company aims to record an annual turnover of ₹100 crore in the Indian market

"Besides launching our own brands, we are also talking to a few global brands to bring those to India," he said. These brands, he added, would eventually need exclusive branded outlets.

Tata International had set a target of selling 500,000 pairs of shoes in the domestic market through the next three years, of which 60 per cent would be Aerosoles, said Mohan. Overall, the company aims to record an annual turnover of ₹100 crore in the Indian market.

Exports

In 2013-14, Tata International recorded ₹740 crore of exports; for this financial year, it has set a target of ₹860 crore from the footwear segment alone. The company plans to increase exports to ₹1,500 crore in three years — ₹1,400 crore from footwear and ₹100 crore from leather garments.

Of the company's exports, about 90 per cent are to Europe, while the rest are accounted for by the US. Mohan said in three years, the target was to ensure Europe accounted for 60 per cent, the US 30 per cent and Africa, Australia and West Asia 10 per cent.

The company plans to expand production capacity in Tamil Nadu to eight million pairs a year from the current 5.5 million. In Indore, it plans to increase capacity from a million pairs to 2.5 million pairs a year.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Amar Ujala, Delhi
Tuesday 3rd February 2015, Page: 7
Width: 16.96 cms, Height: 9.74 cms, a4, Ref: pmin.2015-02-03.31.43

बुगांडा में कलाकृतियां दिलाती हैं सौभाग्य

फरीदाबाद (ब्यूरो)। बुगांडा किंग्डम का स्टाल सूरजकुंड मेले में प्राकृतिक वस्तुओं से बनी सौभाग्य की प्रतीक वस्तुओं के साथ आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वास्तुशास्त्र और आध्यात्म के प्रेमियों के लिए इस स्टाल पर बहुत कुछ है। स्टाल की मालकिन इम्मेकुलेट ने बताया कि भारत और बुगांडा की संस्कृतियों में बहुत समानता है। भारत में प्राकृतिक शक्तियों को देवी-देवताओं का रूप देकर उनकी पूजा की जाती है। उनके देश में भी प्रकृति को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। जोसेलिन ने बताया कि 56 कबीलों वाले उनके देश में वास्तुशास्त्र और प्राकृतिक ऊर्जाओं का बड़ा महत्व है। हर घर में पाई जाने वाली प्राकृतिक वस्तुओं बांस, लकड़ी, घास, चमड़ा, जूट आदि से तैयार की गई यह कलाकृतियां सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती हैं।

स्टाल की रीटा किसितू ने बताया कि लकड़ी से बने मसाई मास्क मुख्य दरवाजे और घर की प्रमुख दीवारों पर टांगे जाते हैं। यह मास्क घर में नकारात्मक ऊर्जा को आने से रोकते हैं। खासकर लकड़ी से बना किसिंग मास्क और फर्टिलिटी डॉल वृद्धि और पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम बढ़ाने का प्रतीक हैं।

सोमवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में प्रस्तुति देती तजाकिस्तान की कलाकार।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Deccan Herald, Delhi
Tuesday 3rd February 2015, Page: 5
Width: 16.32 cms, Height: 12.56 cms, a4, Ref: pmin.2015-02-03.35.36

Fete time

Russian artistes perform during International Crafts Mela in Surajkund, Haryana, on Monday. PTI

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Tuesday 3rd February 2015, Page: 17
Width: 12.06 cms, Height: 12.95 cms, a4, Ref: pmin.2015-02-03.29.146

सीता माई की बांस की कृतियों का जवाब नहीं

जास, फरीदाबाद : सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में छत्तीसगढ़ से बहुत से शिल्पकार तथा कलाकार आए हैं, जो कला प्रदर्शन के साथ अपने प्रांत के सांस्कृतिक परिवेश का भी एहसास कराते हैं। आकर्षक कृतियों को बनाने तथा उनकी बिक्री में जुटे ऐसे माहिर मेले में आने वाले दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में बांस शिल्पकला में निपुण सीता माई भी आई हुई हैं। सीता माई नारायणपुर, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ से आई हैं। मेले में बांस से आकर्षक कृतियां बनाने में जुटी सीता माई स्वयं ही बिक्री भी कर रही हैं। बांस से फूलदान, पेन स्टेंड, लेटर बाक्स, कुर्सी, तथा टीवी स्टेंड भी बनाया जाता है। सीता माई बताती हैं कि बांस से बनाई गई कृतियां बड़ी पाक-साफ होती हैं और लोग भी इसे पंसद करते हैं। धीरे-धीरे बांस की कृतियों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। मेले में लोगों के आकर्षण से भी सीता माई खुश नजर आई।

फूलदान बनातीं सीता माई।

ऐसे पहुंचे सीता माई के स्टाल पर

मेला परिसर में सीता माई का स्टाल नंबर 163 है। बड़ी चौपाल के सामने वाले हिस्से में छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों के कई स्टाल लगे हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुति के दौरान सेल्फी लेती युवती।

लेबनान पवेलियन में मसालों से बनाए गए मिक्सचर को दिखाती महिला।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Tuesday 3rd February 2015, Page: 17
Width: 9.67 cms, Height: 12.56 cms, a4, Ref: pmin.2015-02-03.29.145

लेबनानी कलाकारों की प्रस्तुति में झलका देश का इतिहास

नाट्यशाला में चौपाल पर प्रस्तुति देते लेबनान के कलाकार। जागरण

जासं, फरीदाबाद : सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में सोमवार रात को नाट्यशाला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में लेबनानी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति में देश के इतिहास का वर्णन किया। जोशीले संगीत पर हर कोई तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ा रहा था।

कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यटन विभाग के अतिरिक्त प्रधान सचिव एसएस ढिगो ने दीप प्रच्च्वलित करके किया। लेबनानी ट्रुप की तरफ से दो प्रस्तुतियां दी गई। दोनों के ही माध्यम से उन्होंने अपने देश के इतिहास व वहां की संस्कृति का बखान किया। चौपाल में मौजूद लेबनान से आए शिल्पकारों व कलाकारों के अलावा अन्य लोगों ने कार्यक्रम का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान लेबनान के शिल्पकार चौपाल के मंच के नीचे जमकर थिरके। दर्शकों ने भी तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला बढ़ाया।

लाइट जाने से फूली पर्यटन विभाग के अधिकारियों की सांसें : नाट्यशाला की प्रस्तुति के दौरान अचानक लाइट चले जाने के कारण अधिकारियों की सांसें फूल गई। चौपाल पर उगा अधिकारियों सहित लेबनान से आए मेहमान भी बैठे थे। करीब 20 मिनट की जद्दोजहद के बाद ही लाइट चालू हो गई, तब जाकर उनकी सांस में सांस आई।